भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 1420
28/07/2026 को उत्तर के लिए

तमिलनाडु में पारंपरिक मछुआरे और मत्स्यपालक

1420. श्री नवसकनी के.:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में पारंपरिक मछुआरों और मत्स्यपालकों की आजीविका और आय के संवर्धन तथा सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए कौन-कौन सी पहल की गई है;

(ख) विभिन्न केंद्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत उक्त जिले में पारंपरिक मछुआरों और मत्स्यपालकों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता, राजसहायता, बीमा कवरेज और आजीविका सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) रामनाथपुरम जिले में विकसित मात्स्यिकी अवसंरचना का ब्यौरा क्या है और इसके अंतर्गत फिशिंग हार्बर्स, मत्स्य उतराई केन्द्र, शीतागार सुविधाएं, बर्फ के कारखाने, मत्स्य प्रसंस्करण इकाइयां और जलीय कृषि अवसंरचना का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त जिले में कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण और मूल्य संवर्धन, विपणन तथा मछली पकड़ने के आधुनिक तौर-तरीकों के लिए सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या कितनी है; और

(ङ) सरकार द्वारा रामनाथपुरम जिले में पारंपरिक मछुआरा समुदायों के लिए सतत मात्स्यिकी, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने, समुद्री कृषि, समुद्री शैवाल की खेती और आजीविका के वैकल्पिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार तमिलनाडु सहित देश भर के पारंपरिक मछुआरों और मछली किसानों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण, आजीविका तथा आय को बढ़ाने एवं मात्स्यिकी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रहा है। इन योजनाओं में प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) (2020-21 से 2024-25), मात्स्यिकी और जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (FIDF) (2018-19 से 2025-26), प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY) (2023-24 से 2026-27) तथा मछुआरों और मत्स्य किसानों की कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान की जा रही किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की सुविधा शामिल है। तमिलनाडु राज्य में, रामनाथपुरम जिले के वलामावुर स्थित हब-I केंद्र में समुद्री शैवाल प्रवर्धन के घटक सहित 127.71 करोड़ रुपए की कुल लागत से बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना नामक परियोजना को PMMSY के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है। विगत तीन वित्तीय वर्षों (2023-2026) के दौरान रामनाथपुरम जिले में कार्यान्वित PMMSY और तमिलनाडु राज्य सरकार की योजनाओं के तहत पारंपरिक मछुआरों और मत्स्य किसानों को विभिन्न गतिविधियों के लिए सहायिकी, बीमा कवरेज और आजीविका सहायता के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिसका विस्तृत विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग): रामनाथपुरम जिले में विकसित किए गए मात्स्यिकी अवसंरचना का विवरण **अनुबंध-II** में प्रदान किया गया है, जिसमें फिशिंग हार्बर्स, मत्स्य अवतरण केन्द्र, शीत भंडारण सुविधाएं, बर्फ संयंत्र, मत्स्य प्रसंस्करण इकाइयां और जलकृषि अवसंरचना शामिल हैं।

(घ): सरकार मछुआरों और मत्स्य किसानों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने, मत्स्य पालन क्षेत्र में हाल के नवाचारों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार करने और संधारणीय आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन करती है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम मछुआरा परिवारों के आजीविका विकास और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में योगदान करते हैं। रामनाथपुरम जिले में मछुआरों और मत्स्य किसानों के लिए विगत 3 वर्षों में 88 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 5599 प्रशिक्षुओं को कवर किया गया। इसका विवरण **अनुबंध-III** में दिया गया है।

(ङ): सरकार रामनाथपुरम जिले में संधारणीय मात्स्यिकी को बढ़ावा देने और पारंपरिक मछुआरा समुदायों की आजीविका में सुधार करने के लिए विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है। इसके तहत, 45 गहरे समुद्र में डीप-सी टूना फिशिंग पोतों के अधिग्रहण के लिए वित्तीय सहायता और संस्थागत ऋण प्रदान किया जाता है। रामनाथपुरम जिले में 13,949 मछुआरों और किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) के माध्यम से ₹236.26 करोड़ के संस्थागत ऋण उपलब्धता की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अलावा, मछुआरों और तटीय समुदायों के लिए वैकल्पिक आजीविका के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समुद्री कृषि गतिविधियों, जैसे कि समुद्री शैवाल कृषि और केज कल्चर को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत तमिलनाडु के रामनाथपुरम सहित अलग-अलग जिलों में अब तक 19,575 सीवीड कल्चर राफ्ट्स और मोनोलाइन तथा 499 केज कल्चर इकाइयाँ स्थापित की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, लाभार्थियों के तकनीकी कौशल और आय सृजन की क्षमता को बढ़ाने के लिए समुद्री शैवाल कृषि, जलकृषि और समुद्री कृषि पद्धतियों, मत्स्य उत्पादों के मूल्य-वर्धन, ड्राई फिश प्रसंस्करण, रेडी-टू-ईट मत्स्य उत्पादों को तैयार करने, नाव चलाने, समुद्री इंजन की मरम्मत और रखरखाव, जाल बनाने, तथा बेकार मत्स्यन जालों के पुनर्चक्रण पर नियमित रूप से कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

*****

अनुबंध-I

तमिलनाडु में पारंपरिक मछुआरे और मत्स्यपालक के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा पूछे गए 28 जुलाई, 2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1420 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	इकाइयां	परियोजना लागत (रुपए करोड़ में)
1.	पोत निगरानी प्रणाली (VMS) की स्थापना और संचालन	402	18.01 (4997 यूनिट के लिए)
2.	टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TED) की संस्थापना	885	6.29 (2613 यूनिट के लिए)
3.	इनपुट सहित समुद्री शैवाल पालन राफ्ट की स्थापना	2100	1.90
4.	इनपुट सहित मोनोलाइन / ट्यूबनेट विधि से समुद्री शैवाल पालन की स्थापना	60	0.028
5.	खारे पानी/खारे/क्षारीय क्षेत्रों के लिए बायोफ्लोक तालाबों का निर्माण, इनपुट सहित	13	1.00
6.	रेफ्रिजेरेटेड गाड़ियां/इंसुलेटेड गाड़ियां/आइस बॉक्स वाली मोटर साइकिल/आइस बॉक्स वाली साइकिल/आइस बॉक्स वाले थ्री व्हीलर, जिसमें मत्स्य विक्रय के लिए ई-रिक्शा भी शामिल हैं	78	1.52
7.	टूना मत्स्यन बोट निर्माण (70% सब्सिडी)	5	4.00
8.	टूना मत्स्यन बोट निर्माण (50% सब्सिडी)	10	2.37
9.	ऑपन सी केज की स्थापना	80	0.24
10.	बैकयार्ड ओर्नामेंटल इकाई	1	0.02
11.	मत्स्यन प्रतिबंध/कम अवधि के दौरान मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के लिए सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े सक्रिय पारंपरिक मछुआरों के परिवारों के लिए आजीविका और पोषण संबंधी सहायता	1,19,104	84.08
12.	समूह दुर्घटना बीमा योजना	102	5.10

*****

अनुबंध- II

तमिलनाडु में पारंपरिक मछुआरे और मत्स्यपालक के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा पूछे गए 28 जुलाई, 2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1420 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

नाबार्ड योजनाएँ - चालू परियोजनाएँ			
क्रम संख्या	**परियोजना का नाम**	**संस्वीकृति वर्ष**	**परियोजना लागत (करोड़ में)**
1	रामनाथपुरम जिले के थंगाचिमदम में मत्स्य अवतरण केन्द्रों में सुधार	2024-25	150.00 रुपए
2	रामनाथपुरम जिले के रोचमनगर गांव में बैट आर्क का निर्माण	2024-25	20.00 रुपए
3	रामनाथपुरम जिले के कुंथुकल में मत्स्य अवतरण केन्द्रों में सुधार	2024-25	148.00 रुपए
4	रामनाथपुरम जिले के पंबन उत्तर गांव में मत्स्य अवतरण केन्द्रों का निर्माण	2024-25	58.50 रुपए
NABARD योजनाएँ - पूर्ण परियोजनाएँ			
1	रामनाथपुरम जिले के मेरकुवाड़ी गांव में बैट आर्क का निर्माण	2025-26	24.27 रुपए
FIDF योजनाएं – वर्तमान परियोजनाएं			
1	रामनाथपुरम जिले के थिरुप्पलाईकुडी में मत्स्य अवतरण केन्द्र का निर्माण	2025-26	1.63 रुपए
2	रामनाथपुरम जिले के नम्बुथलाई में मत्स्य अवतरण केन्द्र का निर्माण	2025-26	1.63 रुपए
3	रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम में अतिरिक्त अवसंरचना प्रदान करना	2025-26	1.63 रुपए
4	रामनाथपुरम जिले के वालिनोक्कम में अतिरिक्त अवसंरचना प्रदान करना	2025-26	0.80 रुपए
5	रामनाथपुरम जिले के मोरेपन्नई में अतिरिक्त अवसंरचना प्रदान करना	2025-26	0.80 रुपए
PMMSY योजनाएं - पूर्ण परियोजनाएं			
1	रामनाथपुरम ज़िले के रामनाथपुरम-उत्तर में 10 मछुआरा गांवों की 75 जगहों पर आर्टिफ़िश्यल रीफ़ निर्माण और स्थापना	2024-25	23.25 रुपए
2	रामनाथपुरम ज़िले के रामेश्वरम में 4 मछुआरा गांवों की 39 जगहों पर आर्टिफ़िश्यल रीफ़ निर्माण और स्थापना	2024-25	12.09 रुपए

3	रामनाथपुरम जिले के मंडपम में 9 मछुआरा गांवों के 9 स्थानों पर आर्टिफ़िश्यल रीफ़ का निर्माण और स्थापना	2024-25	2.79 रुपए
4	रामनाथपुरम जिले के रामनाथपुरम - दक्षिण में 10 मछुआरा गांवों के 23 स्थानों पर आर्टिफ़िश्यल रीफ़ का निर्माण और स्थापना	2024-25	7.13 रुपए
PMMSY योजनाएं – वर्तमान परियोजनाएं			
1	रामनाथपुरम ज़िले के कलिमांगुंडु में जलवायु-अनुकूल तटीय मछुआरा गाँव का विकास	2024-25	1.40 रुपए
2	रामनाथपुरम जिले के सोलियाकुडी में जलवायु अनुकूल तटीय मछुआरा गांव का विकास	2024-25	1.40 रुपए
3	तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना	2023-24	127.71 रुपए

*****

अनुबंध- III

तमिलनाडु में पारंपरिक मछुआरे और मत्स्यपालक के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री नवसकनी के. द्वारा पूछे गए 28 जुलाई, 2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1420 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

क्रम संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रशिक्षणों की संख्या (बैच)	प्रशिक्षुओं की संख्या
1.	समुद्री शैवाल मूल्यवर्धित उत्पादों और समुद्री शैवाल SAP और उर्वरक के उत्पादन पर NFDB प्रशिक्षण	23	575
2.	समुदाय आधारित आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण (आपदा तैयारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्राथमिक चिकित्सा पर प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता प्रशिक्षण)	28	1116
3.	समुद्री शैवाल कृषि, मूल्य वर्धित मत्स्य उत्पाद, नाव चलाना, इंजन की मरम्मत और रखरखाव, ड्राई फिश बनाना, रेडी टू कूक उत्पाद, जलकृषि और समुद्री कृषि गतिविधियाँ, नेट क्राफ्ट और अपशिष्ट जाल पुनर्चक्रण जैसे विभिन्न पहलुओं पर मछुआरों (पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी) की आजीविका	34	3683
4.	तालाब आधारित सीबास कल्चर पर प्रशिक्षण	3	225

*****